http://www.ukboardonline.com

रोल नं. | | | | | | | | |

001

मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 4

201 (HXZ)

2016
हिन्दी

समय : 3 घण्टे]

[पूर्णांक : 100

निर्देश : (i) इस प्रश्न-पत्र के दो खण्ड 'अ' और 'ब' हैं। दोनों खण्डों में पूछे गए सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
(ii) उत्तर यथासम्भव क्रमवार लिखिए। प्रश्नों के अंक उनके सम्मुख अंकित हैं।

खण्ड - 'अ'

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए — 2 × 5 = 10

प्रेम की भाषा शब्द-रहित है। नेत्रों की, कपोलों की, मस्तक की भाषा भी शब्द-रहित है। जीवन का तत्व भी शब्द से परे है। सच्चा आचरण-प्रभावशील, अचल-स्थिर आचरण-न तो साहित्य के लम्बे व्याख्यानों से गढ़ा जा सकता है, न वेद की श्रुतियों के मीठे उपदेश से; न अंजील से; न कुरान से; न धर्म चर्चा से; न केवल सत्संग से। जीवन के अरण्य में धंसे हुए पुरुष के हृदय पर प्रकृति और मनुष्य के जीवन के मौन व्याख्यानों के यत्न से सुनार के छोटे हथौड़े की मंद-मंद चोटों की तरह आचरण का रूप प्रत्यक्ष होता है।

बर्फ का दुपट्टा बाँधे हुए हिमालय इस समय तो अति सुन्दर, अति ऊँचा और अति गौरवान्वित मालूम होता है, परन्तु प्रकृति ने अगणित शताब्दियों के परिश्रम से रेत का एक-एक परमाणु समुद्र के जल में डुबो-डुबोकर और उनको अपने विचित्र हथौड़े से सुडौल करके इस हिमालय के दर्शन कराए हैं। आचरण भी हिमालय की तरह एक ऊँचे कलश वाला मन्दिर है। यह वह आम का पेड़ नहीं जिसको मदारी एक क्षण में, तुम्हारी आँखों में मिट्टी डालकर, अपनी हथेली पर जमा दे। इसके बनने में अनन्त काल लगा है। पृथ्वी बन गई, सूर्य बन गया, तारागण आकाश में दौड़ने लगे; परन्तु अभी तक आचरण के सुन्दर रूप के पूर्ण दर्शन नहीं हुए। कहीं-कहीं उसकी अत्यल्प छटा अवश्य दिखाई देती है।

पुस्तकों में लिखे हुए नुसखों से तो और भी अधिक बदहजमी हो जाती है। सारे वेद और शास्त्र भी यदि घोलकर पी लिए जाऐं तो भी आदर्श आचरण की प्राप्ति नहीं होती। आचरण प्राप्ति की इच्छा रखने वाले को तर्क-वितर्क से कुछ भी सहायता नहीं मिलती। शब्द और वाणी तो साधारण जीवन के चोचले हैं। ये आचरण की गुप्त गुहा में प्रवेश नहीं कर सकते। वहाँ इनका कुछ भी प्रभाव नहीं पड़ता। वेद इस देश के रहने वालों के विश्वासानुसार ब्रह्म-वाणी है, परन्तु इतना काल व्यतीत हो जाने पर भी आजतक वे समस्त जगत की भिन्न जातियों को संस्कृत भाषा न भुला सके-न समझा सके-न सिखा सके। यह बात हो कैसे? ईश्वर तो सदा मौन है। ईश्वरीय मौन शब्द और भाषा का विषय नहीं। वह केवल आचरण के कान में गुरु-मंत्र फूँक सकता है। वह केवल ऋषि के दिल में वेद का ज्ञानोदय कर सकता है।

(क) 'प्रेम की भाषा शब्द रहित है' का आशय स्पष्ट कीजिए।
(ख) आचरण की तुलना किससे की गई है ?
(ग) आदर्श आचरण की प्राप्ति किससे नहीं होती ?
(घ) सदाचरण, सुन्दर, ऊँचा, शीतल शब्दों के विलोम लिखिए।
(ङ) उपर्युक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक लिखिए।

http://www.ukboardonline.com

2. दिए गए संकेत-बिन्दुओं के आधार पर किसी एक विषय पर लगभग 250 शब्दों में निबन्ध लिखिए — 10

(क) जीवन में खेलों का महत्व —
(i) खेलों के प्रति मानव प्रवृत्ति
(ii) खेलों का पूर्व इतिहास
(iii) राष्ट्रीय स्तर पर खेलों का महत्व
(iv) राष्ट्रीय खेल नीति

(ख) वर्तमान शिक्षा प्रणाली —
(i) जीवन में शिक्षा का महत्व
(ii) भारत की प्राचीन शिक्षा प्रणाली
(iii) वर्तमान राष्ट्रीय शिक्षा प्रणाली-गुण और दोष
(iv) सुधार हेतु सुझाव

3. विगत वर्ष आपके क्षेत्र में जलप्लावन की स्थिति रही। कृषि एवं क्षेत्रीय उद्योगों के क्षतिग्रस्त होने से क्षेत्रीय जनता प्रभावित है। प्रदेश के मुख्यमंत्री को राहत हेतु एक प्रार्थना पत्र तैयार कीजिए। (आपका काल्पनिक नाम क ख ग है) 5

अथवा

[P.T.O.

http://www.ukboardonline.com

http://www.ukboardonline.com

आपके शहर अथवा गाँव में चारों ओर सड़कें टूटी हैं। आवागमन में कठिनाई होती है। जन प्रतिनिधियों का ध्यान आकृष्ट करने के लिए क्षेत्रीय समाचार पत्र के संपादक को समाचार प्रकाशित करने हेतु एक पत्र लिखिए। (आपका काल्पनिक नाम क ख ग है)

4. यथा निर्देश वाक्य परिवर्तन कीजिए — $1 \times 4 = 4$

(क) लता आज मन्दिर चली गई। (प्रश्नवाचक वाक्य में)

(ख) मोहन विद्यालय से घर आ गया। (निषेधात्मक वाक्य में)

(ग) थोड़े समय के लिए बिजली आई। थोड़ी ही देर में चली गई। (संयुक्त वाक्य में)

(घ) छात्र ने यथा समय लेख लिख लिया था। (कर्मवाच्य में)

5. यथा निर्देश उत्तर दीजिए — $1 \times 2 = 2$

(क) गाड़ी पहुँच चुकी किन्तु वह आया नहीं। (अव्यय शब्द छाँटिए)

(ख) धीरे-धीरे मत चलो अन्यथा रात हो जाएगी। (क्रिया विशेषण बताइए)

निम्नलिखित वाक्यों में क्रियापद छाँटिए और क्रिया का भेद भी बताइए — $1 \times 2 = 2$

(ग) कला गाना गाती है।

(घ) कमरे के अन्दर बच्चा रोता है।

6. (क) निम्नलिखित में 'चन्द्रमा' का पर्यायवाची शब्द बताइए — 1

(i) व्योमेश (ii) राकेश (iii) लोकेश

(ख) कौन-सा शब्द 'घन' का समानार्थी नहीं है — 1

(i) जलद (ii) जलज (iii) नीरद

7. निम्नलिखित काव्यांशों को पढ़कर किसी एक काव्यांश के नीचे दिए गए किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए — $3 \times 2 = 6$

(i) लखन कहा हसि हमरे जाना। सुनहु देव सब धनुष समाना।।
का छति लाभु जून धनु तोरें। देखा राम नयन के भोरें।।
छुअत टूट रघुपतिहु न दोसू। मुनि बिनु काज करिअ कत रोसू।।
बोले चितै परसु की ओरा। रे सठ सुनेहि सुभाउ न मोरा।।

(क) लक्ष्मण ने परशुराम से क्या कहा ?

(ख) धनुष टूटने में राम का दोष क्यों नहीं है ?

(ग) परशुराम के क्रोध का कारण क्या है ?

(ii) फसल क्या है ?
और तो कुछ नहीं है वह
नदियों के पानी का जादू है वह
हाथों के स्पर्श की महिमा है
भूरी-काली-संदली मिट्टी का गुण धर्म है
रूपांतर है सूरज की किरणों का
सिमटा हुआ संकोच है हवा की थिरकन का !

(क) फसल प्रकृति के किन-किन उपादानों का रूपान्तरण है और किस रूप में ?

(ख) कवि ने 'फसल को नदियों के पानी का जादू' क्यों कहा ?

(ग) उपर्युक्त पद्यांश के आधार पर कवि की भावना को अपने शब्दों में व्यक्त कीजिए।

8. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए — $3 \times 2 = 6$

(क) 'अट नहीं रही है' कविता के आधार पर निराला जी के प्रकृति-प्रेम पर अपने विचार व्यक्त कीजिए।

(ख) 'छाया मत छूना' कविता के माध्यम से कवि क्या सन्देश देना चाहता है ?

(ग) 'कन्यादान' कविता की यह पंक्ति-'लड़की होना पर लड़की जैसी दिखाई मत देना' का आशय वर्तमान सामाजिक परिवेश में समझाइए।

http://www.ukboardonline.com

http://www.ukboardonline.com

http://www.ukboardonline.com

http://www.ukboardonline.com

9. (क) कवि जयशंकर प्रसाद के मित्रों ने उनसे क्या आग्रह किया ? कवि आत्मकथा क्यों नहीं लिखना चाहते थे ? 2
(ख) संगतकार जैसे व्यक्ति संगीत के अलावा और किन-किन क्षेत्रों में दिखाई देते हैं ? 2

10. निम्नलिखित गद्यांशों को पढ़कर किसी एक गद्यांश के नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए — $2 \times 2 = 4$

(i) आसाढ़ की रिमझिम है। समूचा गाँव खेतों में उतर पड़ा है। कहीं हल चल रहे हैं; कहीं रोपनी हो रही है। धान के पानी-भरे खेतों में बच्चे उछल रहे हैं। औरतें कलेवा लेकर मेंड़ पर बैठी हैं। आसमान बादल से घिरा; धूप का नाम नहीं। ठंडी पुरवाई चल रही। ऐसे ही समय आपके कानों में एक स्वर-तरंग झंकार-सी कर उठी। यह क्या है—यह कौन है। यह पूछना न पड़ेगा। बालगोबिन भगत समूचा शरीर कीचड़ में लिथड़े, अपने खेत में रोपनी कर रहे हैं। उनकी अँगुली एक-एक धान के पौधे को, पंक्तिबद्ध खेत में बिठा रही है। उनका कंठ एक-एक शब्द को संगीत के जीने पर चढ़ाकर कुछ को ऊपर, स्वर्ग की ओर भेज रहा है और कुछ को इस पृथ्वी की मिट्टी पर खड़े लोगों के कानों की ओर ! बच्चे खेलते हुए झूम उठते हैं; मेंड़ पर खड़ी औरतों के होंठ काँप उठते हैं, वे गुनगुनाने लगती हैं।
(क) आसाढ़ की रिमझिम का जनजीवन पर पड़ने वाले प्रभाव का चित्रण कीजिए।
(ख) बालगोबिन भगत के मधुर संगीत की विशेषताएँ बताइए।

(ii) शायद गिरती आर्थिक स्थिति ने ही उनके व्यक्तित्व के सारे सकारात्मक पहलुओं को निचोड़ना शुरू कर दिया। सिकुड़ती आर्थिक स्थिति के कारण और अधिक विस्फारित उनका अहं उन्हें इस बात तक की अनुमति नहीं देता था कि वे कम-से-कम अपने बच्चों को तो अपनी आर्थिक विवशताओं का भागीदार बनाएँ। नवाबी आदतें, अधूरी महत्वाकांक्षाएँ, हमेशा शीर्ष पर रहने के बाद हाशिए पर सरकते चले जाने की यातना क्रोध बनकर हमेशा माँ को कँपाती-थरथराती रहती थीं। अपनों के हाथों विश्वासघात की जाने कैसी गहरी चोटें होंगी वे जिन्होंने आँख मूँदकर सबका विश्वास करने वाले पिता को बाद के दिनों में इतना शक्की बना दिया था कि जब-तब हम लोग भी उसकी चपेट में आते ही रहते।
(क) "सकारात्मक पहलुओं को निचोड़ना शुरू कर दिया।" — आशय स्पष्ट कीजिए।
(ख) लेखिका के पिता अपनी विवशताओं को अपने परिवार के सामने भी स्पष्ट क्यों नहीं कर पाते थे ?

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए — $2 \times 2 = 4$
(क) मूर्ति को देखकर हालदार साहब किस निष्कर्ष पर पहुँचे ?
(ख) पठित पाठ के आधार पर बताइए कि बालगोबिन भगत सामाजिक मान्यताओं को नहीं मानते थे।
(ग) लेखिका नन्नू भंडारी के पिताजी सारी आधुनिकता के बावजूद क्या बर्दाश्त नहीं कर पा रहे थे ?

12. (क) फादर बुल्के को 'मानवीय करुणा की दिव्य चमक' क्यों कहा गया है ? 3
(ख) 'संस्कृति' पाठ में व्यक्त विचारों के आधार पर 'सभ्यता' और 'संस्कृति' में अन्तर स्पष्ट कीजिए। 2

13. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए — $2 \times 3 = 6$
(क) 'माता का अँचल' पाठ में माता-पिता का बच्चे के प्रति जो वात्सल्य व्यक्त हुआ है उसे अपने शब्दों में लिखिए।
(ख) 'नाक' मान-सम्मान और प्रतिष्ठा की द्योतक है। 'जॉर्ज पंचम की नाक' कहानी के आधार पर उक्त कथन को स्पष्ट कीजिए।
(ग) 'झिलमिलाते सितारों की रोशनी में नहाया गंतोक' से क्या आशय है ? पठित यात्रावर्णन के आधार पर गंतोक के प्राकृतिक सौन्दर्य का वर्णन कीजिए।
(घ) 'मैं क्यों लिखता हूँ ?' के आधार पर बताइए कि लेखक को कौन-सी बातें लिखने के लिए प्रेरित करती हैं।

खण्ड - 'ब'

14. अधोलिखितं गद्यांशं पठित्वा त्रीन प्रश्नान् पूर्णवाक्येन उत्तरत — $2 \times 3 = 6$
(निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए)

यदा विवेकानन्दः परिव्राजकरूपेण अभवत् तदा सम्पूर्णं देशम् अटितवान्। कदाचित् सः घनं गतवान्। तदा केचन वानराः तम् अनुगताः। यद्यपि सः धीरः तथापि वानरान् दृष्ट्वा एकाकी सः किञ्चित् भीतः अभवत् अतः सः शीघ्रं गतवान्। वानराः अपि तं शीघ्रं अनुधावितवन्तः। तदा सः तत्र हासस्य शब्दं श्रुतवान्। तत्र एकः संन्यासी स्थितवान् आसीत्। सः विवेकानन्दं दृष्ट्वा उक्तवान्—हे युवसन्यासिन् मा धाव, तस्य सम्मुखीकरणम् एव उत्तमम्। एतत् श्रुत्वा विवेकानन्दः तत्रैव स्थितवान्। यदा विवेकानन्दः स्थितवान् तदा वानराः अपि स्थितवन्तः। धैर्येण स समीपं गतवान्। तान् प्रति चलितवान् तदा वानराः पलायनं कृतवन्तः।

(क) विवेकानन्दः कदा देशम् अटितवान् ?
(ख) भीतः विवेकानन्दः किं कृतवान् ?
(ग) संन्यासी विवेकानन्दं दृष्ट्वा किम् उक्तवान् ?
(घ) यदा विवेकानन्दः स्थितवान् तदा किम् अभवत् ?

http://www.ukboardonline.com

http://www.ukboardonline.com

15. अधोलिखितं पद्यांशं पठित्वा द्वौ प्रश्नौ पूर्णवाक्येन उत्तरत — $2 \times 2 = 4$
(निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए)
रात्रिर्गमिष्यति भविष्यति सुप्रभातं
भास्वानुदेष्यति हसिस्यति पङ्कजालिः।
इत्थं विचिन्तयति कोशगते द्विरेफे
हा हन्त! हन्त! नलिनीं गज उज्जहार॥
(क) सुप्रभातं कदा भविष्यति ? (ख) पङ्कजालिः कदा हसिस्यति ?
(ग) नलिनीं कः उज्जहार ?

16. पठित पाठाधारितान् त्रीन प्रश्नान् पूर्णवाक्येन उत्तरत — $2 \times 3 = 6$
(पठित पाठ पर आधारित किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए।)
(क) चाणक्यः कुत्र निवसति स्म ? (ख) विश्वस्य अत्युन्नतं शिखरं किम् ?
(ग) शिवालिक पर्वत-शिखराणां मध्ये किं नगरं शोभते ? (घ) विवेकानन्दं के अनुगताः?

17. अधोलिखितेषु शब्देषु यथोचितं शब्दं चित्वा केवलं चत्वारि रिक्त स्थानानि पूरयत — $1 \times 4 = 4$
(नीचे दिए गए शब्दों में से उचित शब्द चुनकर किन्हीं चार वाक्यों में रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।)
शब्द सूची— मङ्गलम्, शरीरम्, गुञ्जया, दुर्जनेन, उटजे, पुष्पम्
(क) जनाः सुवर्णं ..... तोलयन्ति। (ख) परोपकारार्थमिदम् .....।
(ग) प्रभाते ..... विकसति। (घ) सत्सङ्गतिः मानवस्य ..... करोति।
(ङ) चाणक्य एकस्मिन् ..... निवसति स्म। (च) ..... समं सख्यं न कारयेत्।

18. अधोलिखितेभ्यः यथानिर्देशम् केवलं त्रीनु प्रश्नान् उत्तरत — $2 \times 3 = 6$
(निम्नलिखित में से निर्देशानुसार किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए।)
(क) सन्धिं कुरुत (सन्धि कीजिए)— यदि + अपि, भो + अनम्
(ख) सन्धिं विच्छेदं कुरुत (सन्धि विच्छेद कीजिए) — मध्वरिः, हरेऽव
(ग) समास विग्रहं कृत्वा समासस्य नामोल्लेखं कुरुत (समास विग्रह कर समास का नाम लिखिए।) —
धनहीनः, गजाननः
(घ) अधोलिखितेभ्यः पदेभ्यः उपसर्गान् पृथक्कृत्वा लिखत (निम्नांकित पदों में उपसर्ग को अलग कर लिखिए।) —
अभिज्ञानम्, उपवनम्
(ङ) कोष्ठके प्रदत्तेषु शब्देषु शुद्धं शब्दं चित्वा रिक्त स्थानानि पूरयत —
(कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से शुद्ध शब्द चुनकर रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए।)
(i) ..... परितः पुष्पाणि सन्ति। (विद्यालयस्य / विद्यालयम्)
(ii) रामः ..... सह गच्छति। (कृष्णस्य / कृष्णेन)

19. निम्नांकित शब्दानाम् आधारेण चतुर्णाम वाक्यानां निर्माणं कुरुत — $1 \times 4 = 4$
(निम्नांकित शब्दों में से किन्हीं चार का वाक्यों में प्रयोग कीजिए।)
(क) हिमालयः (ख) कमलम् (ग) गीतम्
(घ) सुवर्णम् (ङ) भारतम् (च) परोपकारः

अथवा

अधोलिखित वाक्येभ्यः द्वयोः संस्कृतानुवादं कुरुत — $2 \times 2 = 4$
(निम्न वाक्यों में से दो वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए।)
(क) आकाश में तारे हैं। (ख) तालाब में कमल खिलता है। (ग) छात्र पाठ पढ़ता है।

******

http://www.ukboardonline.com